

न्यायालय: न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी, बैहर, जिला बालाघाट(म0प्र0)
(समक्ष: डी.एस.मण्डलोई)

आप.प्र.क्र.: 101 / 2015

संस्थित दि: 06 / 02 / 15

मध्यप्रदेश राज्य द्वारा आरक्षी केन्द्र बिरसा,

जिला बालाघाट (म.प्र.)

..... अभियोगी

विरुद्ध

देवलाल पिता घुनारीराम कुम्भकार, उम्र 26 साल, जाति कुम्हार,

निवासी रेंगाखार थाना रेंगाखार जिला कबिरधाम (छत्तीसगढ़) आरोपी

— :: निर्णय :: —

(आज दिनांक 06 / 02 / 2015 को घोषित किया गया)

(01) आरोपी पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 279, 337(काउन्टस-2), 338 एवं मोटरयान अधिनियम की धारा 146 / 196 के अन्तर्गत आरोप है कि आरोपी ने दिनांक 04.01.2015 को समय 08:00 बजे ग्राम साखा थाना बिरसा के अन्तर्गत लोकमार्ग पर वाहन होण्डा मोटरसायकिल क्रमांक सी.जी.08-आर.0188 को उपेक्षा एवं उतावलेपनपूर्वक चलाकर मानव जीवन संकटापन्न कारित किया एवं झूनाबाई व देवलाल को टक्कर मारकर उपहति कारित की तथा कोमलसिंह को टक्कर मारकर घोर उपहति कारित की व उक्त वाहन को बिना बीमा कराये चलाते हुये पाये गये।

(02) अभियोजन का प्रकरण संक्षेप में इस प्रकार है फरियादी कोमलसिंह ने आरक्षी केन्द्र बिरसा में इस आशय की प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध कराई कि वह दिनांक 04.01.2015 को शाम के 08:00 बजे उसकी पत्नी झूनाबाई के साथ खेत से घर आ रहा था कि ग्राम साखा बस्ती में बजरु धुर्वे के घर के सामने मोटरसायकिल क्रमांक सी.जी.08-आर.

0188 का चालक अपनी मोटरसायकिल को बिरसा तरफ से तेजगति एवं लापरवाहीपूर्वक चलाते हुये लाया और उसे तथा उसकी पत्नी झूनाबाई को पीछे से टक्कर मार दी। फरियादी की रिपोर्ट पर से मोटरसायकिल क्रमांक सी.जी.08—आर.0188 के चालक के विरुद्ध अपराध क्रमांक 01 / 15 अन्तर्गत धारा 279, 337 भा.दं.वि. की प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक विवेचना पूर्ण कर आरोपी के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 279, 337, 338 एवं मोटरयान अधिनियम की धारा 146 / 196 के अन्तर्गत यह अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया।

(03) आरोपी को मेरे द्वारा भारतीय दण्ड संहिता की धारा 279, 337(काउन्टस-2), 338 एवं मोटरयान अधिनियम की धारा 146 / 196 के अपराध की मुख्य विशिष्टियां विरचित कर पढकर सुनाई व समझाई गई।

(04) आरोपी के विरुद्ध अपराध प्रमाणित पाए जाने के लिए निम्नलिखित बिन्दु विचारणीय है :-

(1) क्या आरोपी ने दिनांक 04.01.2015 को समय 08:00 बजे ग्राम साखा थाना बिरसा के अन्तर्गत लोकमार्ग पर वाहन होण्डा मोटरसायकिल क्रमांक सी. जी.08—आर.0188 को उपेक्षा एवं उतावलेपनपूर्वक चलाकर मानव जीवन संकटापन्न कारित किया ?

(2) क्या आरोपी ने इसी दिनांक, समय व स्थान पर वाहन होण्डा मोटरसायकिल क्रमांक सी.जी.08—आर. 0188 को उपेक्षा एवं उतावलेपनपूर्वक चलाकर झूनाबाई व देवलाल को टक्कर मारकर उपहति कारित की ?

(3) क्या आरोपी ने इसी दिनांक, समय व स्थान पर वाहन होण्डा मोटरसायकिल क्रमांक सी.जी.08—आर. 0188 को उपेक्षा एवं उतावलेपनपूर्वक चलाकर कोमलसिंह को टक्कर मारकर घोर उपहति कारित

की ?

(4) क्या आरोपी इसी दिनांक, समय व स्थान पर वाहन होण्डा मोटरसायकिल क्रमांक सी.जी.08—आर. 0188 को बिना बीमा कराये चलाते हुये पाये गये ?

—:: सकारण — निष्कर्ष ::—

विचारणीय बिन्दु क्रमांक 1, 2, 3 एवं 4 :-

- (05) प्रकरण में सुविधा की दृष्टि से विचारणीय बिन्दु 1, 2, 3 एवं 4 का एक साथ विचार किया जा रहा है।
- (06) आरोपी को मेरे द्वारा भारतीय दण्ड संहिता की धारा 279, 337(काउन्टस-2), 338 एवं मोटरयान अधिनियम की धारा 146/196 के अपराध की मुख्य विशिष्टियां विरचित कर आरोपी को पढ़कर सुनाये व समझाये जाने पर आरोपी ने अपराध करना स्वेच्छया स्वीकार किया।
- (07) आरोपी के द्वारा भारतीय दण्ड संहिता की धारा 279, 337(काउन्टस-2), 338 एवं मोटरयान अधिनियम की धारा 146/196 के अपराध की स्वेच्छयापूर्वक स्वीकारोक्ति के आधार पर आरोपी को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 279, 337(काउन्टस-2), 338 एवं मोटरयान अधिनियम की धारा 146/196 के आरोप में दोषी पाते हुए दोषसिद्ध ठहराया जाता है।
- (08) अभियोजन द्वारा आरोपी के विरुद्ध पूर्व की दोषसिद्धि सम्बन्धी कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं किया गया है। अतः आरोपी का यह प्रथम अपराध होना प्रकट होता है। आरोपी के द्वारा अपराध की स्वेच्छयापूर्वक स्वीकारोक्ति के फलस्वरूप आरोपी को परिवीक्षा अधिनियम का लाभ दिया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है।
- (09) आरोपी को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 279 के आरोप में 1000/— (एक हजार रुपये) एवं भारतीय दण्ड संहिता की धारा 337(काउन्टस-2) के आरोपी में प्रत्येक आहत के लिये 500/— (पांच सौ रुपये) तथा भारतीय दण्ड संहिता की धारा 338 के आरोपी में 1000/— (एक हजार रुपये) के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है।

अर्थदण्ड अदा न किए जाने पर आरोपी को एक माह के साधारण कारावास की सजा पृथक से भुगताई जावे।

(10) प्रकरण में जप्तशुदा वाहन मोटरसायकिल क्रमांक सी.जी.08—आर.0188 एवं वाहन से संबंधित दस्तावेज सुपुर्दगी पर है। सुपुर्दगीनामा अपील अवधि पश्चात् भारमुक्त हो। अपील होने पर माननीय अपीलीय न्यायालय के आदेशानुसार सम्पत्ति का निराकरण किया जावे।

निर्णय हस्ताक्षरित, दिनांकित कर
खुले न्यायालय में घोषित किया गया।

मेरे उद्बोधन पर टंकित
किया गया।

(डी.एस.मण्डलोई)
न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी,
बैहर, जिला, बालाघाट

(डी.एस.मण्डलोई)
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी,
बैहर, जिला बालाघाट

सामान्य जानकारी हेतु प्रतिलिपि
(शासकीय / विधिक उपयोग हेतु अमान्य)